ISSN 2348-2796

सांस्कृतिक प्रवाह

(शोध पत्रिका)

SANSKRITIK PRAVAH

Research Journal

वर्ष 6 अंक 2 अगस्त, 2019

Bi- annual Bi-lingual

A Multi Disciplinary Refereed Research Journal
Dedicated to Socio-Cultural Harmony.

www.sanskritikpravah.com

अखिल भारतीय संस्कृति समन्वय संस्थान, जयपुर (राज.)

Akhil Bhartiya Sanskriti Samanvaya Sansthan, Jaipur, Rajasthan

Subscription Rate

nstitution & Library	-	Rs. 2200 (5 years)	Rs. 6000 (15 years)
Individuals (Rajasthan)	-	Rs. 950 (5 years)	Rs. 2600 (15 years)
(Out of Rajasthan)	-	Rs. 1000 (5 years)	Rs. 2800 (15 years)
Single Copy	-	Rs. 125/-	

Subscription may be sent by cheques/drafts drawn in favour of
Editor, Sanskritik Pravah, Jaipur

The responsibility for the facts stated, opinions expressed or conclusions reached is entirely that of the authors / contributors and the **'Sanskritik Pravah' Research Journal** accepts no responsibility for them.

Correspondence and Contact

सांस्कृतिक प्रवाह

बी-19, मधुकर भवन, न्यू कॉलोनी, जयपुर-302001

e-mail : editor.sprj@gmail.com

website : www.sanskritikpravah.com

Contact : 0141-4038590 (4 PM Onwards), 094143-12288 (Chief Editor)
094600-70031(Editor)

Published by : Akhil Bhartiya Sanskriti Samanvaya Sansthan, Jaipur, Rajasthan (India)
B-19, Madhukar Bhawan, New Colony, Jaipur-302001

Printed at : Kumar & Company, Jaipur

ISSN 2348-2796

सांस्कृतिक प्रवाह

(शोध पत्रिका)

वर्ष 6 अंक 2 अगस्त, 2019

अर्द्धवार्षिक द्वि-भाषी

सामाजिक एवं सांस्कृतिक समन्वय के लिए
समर्पित एक बहु-विषयात्मक शोध पत्रिका

website : www.sanskritikpravah.com

अखिल भारतीय संस्कृति समन्वय संस्थान

बी-19, मधुकर भवन, न्यू कॉलोनी, जयपुर-302001

Sanskritik Pravah Research Journal

Patron

Sh. Ramprasad	:	Social Worker & Guardian, Akhil Bhartiya Sanskriti Samanvaya Sansthan, Jaipur (Raj.)

Editorial Advisory Board

Dr. Kuldeep Chand Agnihotri	:	Vice Chancellor Central University of Himachal Pradesh, Dharamshala (H.P.)
Dr. Bhagwati Prasad Sharma	:	Vice Chancellor Gautam Budh University, Greater Noida (U.P.)
Prof. J. P. Sharma	:	Vice Chancellor MLS University, Udaipur (Raj.)
Prof. Bhagirath Singh	:	Vice Chancellor Bikaner University, Bikaner (Raj.)
Prof. M. L. Chhipa	:	Ex Vice Chancellor A.B. Vajpayee Hindi University, Bhopal (M.P.)
Dr. Alpana Kateja	:	Professor of Economics, University of Rajasthan, Jaipur (Raj.)
Dr. Shreerang Godbole	:	Endocrinologist, Social Worker & Writer, Pune (Maharastra)

Chief Editor

Sh. Ram Swaroop Agrawal Ex Principal, Govt. Law College, Kota & Sriganganagar (Raj.)	:	72/25, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur-302020 E-mail : ramsjaipur@gmail.com Mobile : 09414312288

Editor

Dr. Gopal Sharan Gupta Centre for Rajasthan Studies, University of Rajasthan, Jaipur	:	Plot No. 28, Gyanvihar Colony, Model Town Jagatpura Road, Malviya Magar, Jaipur-302017 E-mail : gsgupta1960gmail.com Mobile : 09460070031

Managing Editor

Dr. Jagdish Narayan Vijay : 99, Keteva Nagar, New Sanganer Road,
Assistant Registrar Jaipur - 302019
Jagadguru Ramanandacharya E-mail : jnvijay73@gmail.com
Rajasthan Sanskrit University Mobile : 09414348117
Jaipur (Rajasthan)

Editorial Board

Dr. Ashutosh Pant : 17, Nandpuri, Malviya Nagar, Jaipur-302017
Chairman, Fluorecent Group of E-mail : pant_ashutosh@rediffmail.com
Institutions, Sec -26, Near N.R.I Mobile : 09636770535
Circle, Pratap Nagar,
Jaipur - 302033

Dr. Sunil Asopa : 61-B, Laxmi Nagar, Jodhpur-324006
Associate Professor, E-mail : sunasopa@gmail.com
Deptt. of Law, Mobile : 09414294406
J.N.V. University,
Jodhpur

Dr. Shivani Swarnkar : Qr. No. 1, Opp. Residency School Campus
Assistant Professor, Govt. M.G. College, Udaipur-313001
Deptt. of Geography E-mail : pswarn7@gmail.com
Govt. Meera Girls College Mobile : 09929096367
Udaipur-313001

Dr. Satish Chand Agrawal : Plot No. 9, Agrasen Nagar, Udaipole,
Assistant Professor, Udaipur-313001
Deptt. of Poltical Science E-mail : satish.political@gmail.com
M.L.S. University, Mobile : 09783055596
Udaipur (Raj).

Special Assistance

Dr. Sardar Singh Gurjar : Village - Prempura, Post - Neemla
Assistant Professor (Hindi) Tehsil - Rajgarh, Distt. - Alwar (Raj.)-301415
B.S.N. College, E-mail : gurjarsardarsingh@gmail.com
Baxawala, Sanganer, Mobile : 09829702621
Jaipur (Raj).

About Contributors

1. **डॉ. धर्मचन्द चौबे**

   एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास, गौरी देवी राजकीय महिला महाविद्यालय, अलवर (राजस्थान)
   प्रकाशित पुस्तकें : इतिहास के सिद्धान्त एवं इतिहासकार, भारतीय संस्कृति की धाराएँ, भारतीय इतिहास दृष्टि, अलवर का सांस्कृतिक वैभव, Social & Economic History of India; प्रकाशित शोध पत्र : भारतीय संस्कृति का विश्व संचार तथा भारत-चीन ऐतिहासिक संबंधों पर अनेक शोध पत्र

2. **डॉ. जयन्तीलाल खण्डेलवाल**

   सहायक प्रोफेसर, इतिहास, जयपुर (राजस्थान)
   आबू-सिरोही के इतिहास पर शोध कार्य; अनेक शोध पत्र प्रकाशित, भारतीय इतिहास संकलन योजना में कार्यरत

3. **डॉ. श्रीरंग अरविंद गोडबोले**

   एंडोक्राइनोलॉजिस्ट, सामाजिक कार्यकर्ता एवं लेखक, पुणे (महाराष्ट्र)
   डायबिटीज पर लिखी दो पुस्तकों के सह-लेखक, मराठी में लिखी पुस्तकें : भारत की धार्मिक जनसांख्यिकी, इस्लाम का अंतर-दर्शन, बौद्ध-मुस्लिमों में समकालीन संबंध; अनेक शोध पत्र प्रकाशित

4. **डॉ. स्नेहलता शर्मा**

   विभागाध्यक्ष, साहित्य विभाग, जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
   कई पुस्तकें और शोध पत्र प्रकाशित

5. **डॉ. शम्भुलाल सालवी**

   पोस्ट डॉक्टरल फैलो, राजनीति विज्ञान विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

6. **Gajanan Bhaskar Mehendale**

   History Scholar, Pune (Maharastra)
   Served as war correspondent in Indo-Pakistan war of 1979, wrote a book on war experience, biographer of Chhatrapati Shivaji, written Marathi books on the Firmans of Adil Shah of Bijapur, Tipu Sultan and Shivaji'navy; recipient of Mahatma Jyotirao Phule award, well versed in Urdu, Persian and Portuguese.

7. **Indrajeet Bhattacharya**

   Research Scholar, Centre for Museology & Conservation, University of Rajasthan, Jaipur (Rajasthan), wrote many research articles.

8. **Nitin Sharma**

   Research Scholar, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur (Rajasthan)
   published two research papers.

9. **Dr.Ram Karan Sharma**

   Ex-Principal and Dean, Faculty of Law, NIMS University, Jaipur (Rajasthan)
   Served as faculty member in Government Law Colleges of Rajasthan, worked as Principal, School of Law and Dean, Faculty of Law & Management in Nims University, Jaipur; wrote many research articles.

अनुक्रमणिका/ CONTENTS

		पृष्ठ संख्या
	संपादकीय ...	8
1.	**ईसाइयत का प्रारम्भिक विकास एवं विस्तार - समालोचनात्मक अध्ययन** - डॉ. श्रीरंग अरविंद गोडबोले	10
2.	**तबलीगी जमात द्वारा मेवों के इस्लामीकरण का प्रयास और परम्पराओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता** - डॉ. धर्मचन्द चौबे	34
3.	**सांस्कृतिक मूल्य संरक्षण में आधुनिक संस्कृत कथा साहित्य का योगदान - एक अध्ययन** - डॉ. स्नेहलता शर्मा	41
4.	**संत चतुर सिंह का सामाजिक उन्नयन और समरसता में योगदान - मेवाड़ राज्य के विशेष संदर्भ में** - डॉ. शम्भुलाल सालवी	49
5.	**जननायक महाराणा प्रताप** - डॉ. जयन्तीलाल खण्डेलवाल	54
6.	**Tipu Sultan's Glorification : True or False - A Critical Analysis** - Gajanan Bhaskar Mehendale	59
7.	**Meaning and Definition of the Term 'Religion'** in view of Right to Freedom of Religion guaranteed by Article 25 and 26 vis a vis the terms 'Dharma' and 'Hindu Dharma' *as explained by the Judiciary in India:* An analysis. - Dr.Ram Karan Sharma	80
8.	**Secularism in India : Its Cultural Roots** - Nitin Sharma	105
9.	**Book Review : Bleeding Bengal (Editor : Manoj Verma)** - Indrajeet Bhattacharya	109
10.	**पुस्तक समीक्षा : भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और शिक्षा (शैक्षिक मंथन)** - रामस्वरूप अग्रवाल	111
11.	**समसामयिकी : अनुच्छेद 370 व कश्मीर-पिछले अंकों से**	113
12.	Guidelines for authors	115
	Review & Publication Policy, Ethics Policy	119
	Thrust Area (शोध पत्र हेतु मुख्य विषय)	121

संपादकीय

जुलाई-अगस्त, 2019 में देश ने इतिहास बनते देखा। जो असम्भव माना जा रहा था, वह हुआ। जो हुआ, उसके समर्थक एवं विरोधी दोनों ही देश में हैं। अधिकांश राजनैतिक दल समान नागरिक संहिता और कश्मीर में लागू अनुच्छेद 370 को छूने से भी डरते रहे हैं। एक दल था जो इनकी बात करता था, परन्तु लोगों का मानना था कि वह भी इस संबंध में कुछ कर नहीं पायेगा। जहाँ एक नेता के बयान दर्ज हैं कि 200 वर्षों तक भी कोई अनुच्छेद 370 को हाथ नहीं लगा पायेगा, वहीं एक दूसरे नेता के भी बयान दर्ज हैं कि मोदी दो क्या दस बार भी प्रधानमंत्री बन जाएँ, अनुच्छेद 370 हटा नहीं सकेंगे। कुछ ऐसी ही धारणा 'मुस्लिम पर्सनल ला' में सुधारों के संबंध में थी।

संविधान के अनुच्छेद 44 में 'समान नागरिक संहिता' लागू करने के लिए निर्देश दिया हुआ है, तथा समानता, महिला सशक्तिकरण, जेन्डर जस्टिस जैसी बड़ी-बड़ी अवधारणाओं के लिए सम्पूर्ण देश में मतैक्य होने के बावजूद मुस्लिम समाज के लिए भी ये अवधारणाएँ आवश्यक हैं - यह कहने वाले नहीं हैं। अन्यथा, रिलीजन से ऊपर उठकर देखेंगे तो तीन तलाक से बढ़कर महिलाओं के लिए कोई अन्यायपूर्ण व्यवस्था हो ही नहीं सकती। 34 वर्ष पूर्व सर्वोच्च न्यायालय ने तलाक दी गई मुस्लिम महिला के लिए भी पति द्वारा भरण पोषण दिए जाने संबंधी निर्णय क्या दे दिया था कि देश भर में मानो भूचाल आ गया था और उस समय की प्रचण्ड बहुमत वाली केन्द्र सरकार को उक्त निर्णय को पलटने हेतु कानून बनाना पड़ा। ऐसे में तीन तलाक पर प्रतिबन्ध लगाने का केन्द्र सरकार का निर्णय साहसिक और ऐतिहासिक है। मजेदार बात यह है कि 'तीन तलाक पर प्रतिबन्ध' जैसे कानून अब तक नहीं बनाये जाने के पीछे 'वोट बैंक की राजनीति' को माना जाता रहा था, वहीं तीन तलाक पर प्रतिबन्ध का कानून बनाने के पीछे भी 'वोट बैंक' की राजनीति को ही माना जा रहा है।

प्रजातन्त्र में पक्ष-विपक्ष रहते ही हैं। विपक्षी दलों का काम ही माना गया कि सरकारी नीति व कार्यों में मीन-मेख निकालें। परन्तु, कुछ बातें तो ऐसी होनी ही चाहिए जो राष्ट्रनीति से जुड़ी हों और उनके बारे में विपक्ष भी सहमत हो। यह क्या उचित नहीं है? परन्तु कांग्रेस की सरकार रही हो या भाजपा की, विपक्ष में रहने वाले दल हमेशा सरकार की हर बात के लिए आलोचक ही बने रहते हैं। माना जाता है कि अटल बिहारी वाजपेयी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी की पाकिस्तान पर विजय तथा बांगलादेश निर्माण करने के लिए 'दुर्गा' कहकर प्रशंसा की थी। यह बात परम्परा बननी चाहिए।

प्रस्तुत अंक

प्रस्तुत अंक में 'ईसाइयत के प्रारम्भिक विकास व विस्तार' के संबंध में डॉ. श्रीरंग अरविंद गोडबोले का शोध आलेख प्रकाशित हो रहा है। डॉ. गोडबोले ने अपने आलेख में ईसाइयत का विज्ञान से हुआ संघर्ष तथा उसकी परिणति का भी अध्ययन किया है। उन्होंने अपने अध्ययन में पाया कि जहाँ प्रारम्भ में नव-ईसाइयों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, वहीं बाद में उन्होंने भी गैर ईसाइयों के प्रति क्रूरता का व्यवहार किया।

टीपू सुल्तान के बारे में इतिहासकारों एवं राजनैतिक दलों का बड़ा विरोधाभासी मत सामने आया है। एक पक्ष जहाँ टीपू को स्वतंत्रता सेनानी, सेक्यूलर आदि बता रहा है तो दूसरा पक्ष इससे सहमत नहीं है। पुणे के गजानन भास्कर मेहेनदले ने परिश्रमपूर्वक टीपू से संबंधित दस्तावेजों का अध्ययन कर इस संबंध में छानबीन की है। उनका अध्ययन टीपू के महिमामण्डन को तर्क एवं तथ्यों के आधार पर असत्य ठहराता है।

डॉ. रामकरण शर्मा ने अपने शोध आलेख में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 के संदर्भ में 'रिलीजन' तथा 'धर्म' और 'हिन्दू धर्म' पदों का अर्थ न्यायिक निर्णयों के माध्यम से समझने का प्रयास किया है। डॉ. धर्मचन्द चौबे के आलेख से स्पष्ट है कि यद्यपि मेवों के इस्लामीकरण का प्रयास हुआ है परन्तु उन्होंने अपनी बहुत सी मान्यताओं और प्रथा-परम्पराओं को यथावत् रखा है जिनसे इस्लाम सहमत नहीं है। शेष आलेख भी पठनीय हैं।

पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ समय से हिंसा का ताण्डव नृत्य हो रहा है। इस परिदृश्य को समझने का प्रयास तथा ऐसी 150 घटनाओं के बारे में आधिकारिक तथ्य व विवरण हाल ही में प्रकाशित पुस्तक 'Bleeding Bengal' में दिया गया है। इस पुस्तक की समीक्षा जयपुर के इन्द्रजीत भट्टाचार्य ने की है। शैक्षिक मंथन के अगस्त विशेषांक 'भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन और शिक्षा' की समीक्षा भी इस अंक में पढ़ने को मिलेगी।

आशा है, प्रस्तुत अंक की सामग्री पाठकों को नये तथ्यों एवं संभावनाओं से परिचित करायेगी। अपनी राय एवं सुझावों से अवगत कराते रहें।

– रामस्वरूप अग्रवाल